

भारत के राजपत्र के भाग II, खंड 3(अ) में प्रकाशनार्थ ।

भारत सरकार
वित्त मन्त्रालय
[राजस्वीकानन]

नई दिल्ली, दिनांक 12 फरवरी, 1977

अधिसूचना

§ आयकर §

क.आ.सं. आयकर अधिनियम, 1961 [1961 का 43] की धारा 10 के खंड [23-न] के उपखंड [V] द्वारा वृद्धत शीक्षकों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा " वर्ष ऑफ नर्थ इण्डिया एतोरिशन, नई दिल्ली " से कर निर्धारण वर्ष 1995-96 से 1997-98 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोगार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :-

- § 1 § कर निर्धारित इतनी आय का इस्तेमाल अथवा इतनी आय का इस्तेमाल करने हेतु इतना संयम पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इतनी स्थापना की गई है ;
- § 2 § कर निर्धारित उमर उल्लिखित कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा [5] में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक दंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इतनी निधि [जिबर-जबाहिरात, फर्नियर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वीकृत अंशदान से भिन्न] का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा ;
- § 3 § यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभों के रूप में हो जब तक कि ऐसी कारोबार उक्त कर-निर्धारित उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्राथमिक नहीं हो, तथा ऐसी कारोबार के संबंध में अलग से लेजा-पुस्तकएर नहीं रखी जाती हो ।

[एच.के. घोषरी]

अवर उधिय, भारत सरकार

अधिसूचना सं 10274

सं 197/3/97-आ.क.नि.1

लेवा में,

प्रबंधक ,

भारत सरकार पुस्त,

मायापुरी औद्योगिक क्षेत्र, रिंग रोड.